आईटी सिटी योजना में 10 सेक्टर बनाए जाएंगे

तैयारी

लखनऊ, प्रसं। एलडीए की आईटी सिटी योजना ने रफ्तार पकड़ ली है। सुलतानपुर रोड व किसान पथ से सीधे कनेक्ट होने वाली इस योजना में कुल 10 सेक्टर विकसित किये जाएंगे। जिसमें ले-आउट के मुताबिक ग्रिड सड़कों का निर्माण अगले माह से शुरू हो जाएगा। भूमि जुटाव का कार्य तेजी से चल रहा है। गुरुवार को प्राधिकरण ने एक भू-स्वामी के साथ लैंड पूलिंग के माध्यम से 20 बीघा भूमि का एग्रीमेंट साइन किया। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने एग्रीमेंट डीड सौंपी।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि सुलतानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग व किसान पथ के मध्य प्रस्तावित आईटी सिटी का क्षेत्रफल बढ़ाकर 2,858 एकड़ किया गया है। जिसके लिए मोहनलालगंज तहसील के ग्राम-बक्कास, सोनई कंजेहरा, सिकन्दरपुर अमोलिया, सिद्धपुरा, परेहटा, पहाड़नगर टिकरिया, रकीबाबाद आदि की जमीन ली जाएगी। यह योजना सर्वोत्तम रोड कनेक्टिविटी के कारण लोगों के लिए काफी उपयोगी होगी। योजना में 72 वर्गमीटर से 200 वर्गमीटर क्षेत्रफल के लगभग 5,000 आवासीय भूखण्ड सृजित किये जाएंगे। ग्रुप हाउसिंग के बड़े भूखण्ड भी होंगे।

उन्होंने बताया कि आईटी सिटी को इस तरह विकसित किया जाएगा, जिससे अधिकतम निजी निवेश आकर्षित हो। इसके लिए योजना में लगभग 445.65 एकड़ औद्योगिक क्षेत्र व व्यावसायिक गतिविधियों के लिए लगभग 260 एकड़ क्षेत्रफल आरक्षित किया जाएगा।

लैंड पूलिंग से 300 बीघा भूमि के प्रस्ताव मिले

संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह ने बताया कि योजना के लिए जमीन जुटाने का काम तेजी से चल रहा है। इसके तहत 05 गांव के 39 भू-स्वामियों ने अपनी 300 बीघा से अधिक भूमि लैंड पूलिंग के माध्यम से निःशुल्क देने के आवेदन दिये हैं। गुरुवार को ए-स्क्वायर कंपनी के विवेक अग्रवाल व अंश अग्रवाल ने मोहारी खुर्द गांव में स्थित अपनी लगभग 20 बीघा भूमि प्राधिकरण को लैंड पूलिंग के माध्यम से देते हुए एग्रीमेंट डीड साइन किया।

ग्रिड सड़कों का निर्माण अगले माह से होगा

आईटी सिटी में सुगम यातायात के लिए चौड़ी सड़कों का नेटवर्क होगा। एलडीए उपाध्यक्ष ने मुख्य अभियंता नवनीत शर्मा को ले-आउट के मुताबिक विकास कार्य शुरू कराने के निर्देश दिये हैं। इसके अंतर्गत 45 मीटर, 30 मीटर, 24 मीटर व 18 मीटर चौड़ी ग्रिड सड़कों का निर्माण अगले माह से शुरू कराया जाएगा। संयुक्त सचिव एसपी सिंह ने बताया कि मोहारी खुर्द गांव में साइट ऑफिस बनाने का काम चल रहा है।